वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 308 | रविवार 5 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सिटी पार्क के बेहतर रखरखाव के लिए 9 मार्च से लिया जाएगा प्रवेश शुल्क

जयपुर का दिल बनाएंगे सिटी पार्क को....

आगंतुकों को करना होगा 20 रूपए शुल्क का भुगतान - मॉर्निंग वॉकर्स व 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रवेश निःशुल्क - प्रतिदिन घूमने वालों को 999 रूपए में मिलेगी वार्षिक पास की सुविधा - धुलंडी के कारण 7 मार्च को पार्क रहेगा पूर्णतया बंद

जयपुर. शाबाश इंडिया

देशभर में बेहद कम समय में अपनी खास पहचान बना चुके राजधानी के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क के बेहतर रखरखाव के लिए आगंतुकों को आगामी 9 मार्च से प्रवेश और वाहन पार्किंग शुल्क देना होगा। साथ ही, धुलंडी के कारण 7 मार्च को सिटी पार्क पूर्णतया बंद रखा जाएगा। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि सिटी पार्क में प्रतिदिन 25 से 30 हजार आगंतुक विजिट कर रहे हैं। ऐसे में पार्क को विश्व स्तरीय और आकर्षक बनाए रखने के लिए पर्याप्त रखरखाव और देखभाल बेहद जरूरी है। पार्क के बेहतर प्रबंधन के लिए 9 मार्च से पार्क में आने वालों से 20 रूपए प्रवेश शुल्क लिया जाएगा। अरोड़ा ने बताया कि प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक पार्क में भ्रमण करने आने वाले मॉर्निंग वॉकर्स तथा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश शुल्क नहीं देना होगा अर्थात प्रतिदिन प्रातः 6 से 9 बजे तक सिटी पार्क में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि नियमित आने वाले आगंतुक 999 रूपए प्रति वर्ष की दर से वार्षिक पास भी बनवा सकेंगे।

पार्किंग दरों का हुआ निर्धारण

आवासन आयुक्त ने बताया कि पार्क में आने वाले दुपहिया और चारपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए भी दरें निर्धारित की गई हैं। दुपहिया के लिए (अधिकतम 3 घंटे) 20 रूपए व चारपहिया के लिए (अधिकतम 3 घंटे) का पार्किंग शुल्क 50 रूपए निर्धारित किया गया है। इसी तरह सिटी पार्क में 10 हजार रूपए प्रतिदिन की दर से प्री वेडिंग शूट तथा 50 हजार रूपए प्रतिदिन की दर से फिल्म या टीवी सीरियल की शूटिंग भी की जा सकती है। आवासन आयुक्त ने बताया कि पार्क के नैसर्गिक सौंदर्य को बरकरार रखने के लिए दंडात्मक कार्रवाई को भी अमल में लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्क में लगे स्कलप्चर पर बैठने, उन्हें नुकसान पहुंचाने, विद्युत उपकरण छेड़ने या पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाने पर 1 हजार रूपए तथा पार्क में प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन या गंदगी फैलाने या फूल तोड़ने पर हर बार 50 रूपए का जुर्माना वसूल किया जाएगा।

आमजन से की सहयोग की अपील

आवासन आयुक्त ने आमजन से पार्क की खूबसूरती को बनाए रखने में मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जितना अधिक खूबसूरत और आकर्षक सिटी पार्क रहेगा, उतना ही आमजन को पार्क में घूमने और गुणवत्तायुक्त समय बिताने में आनंद आएगा।

बाल कृष्ण ने किया पूतना का वध

जयपुर. शाबाश इंडिया

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं दृश्य भारती संस्था की ओर से दो दिवसीय भारतीय लोक नाट्य प्रस्तुति के तहत आजादी के अमृत उत्सव एवं ब्रज संस्कृति पर आधारित श्री कृष्ण लीला का सशक्त मंचन रविंद्र मंच पर किया। **कथासार:** भादो माह की अष्टमी की अर्धरात्रि को भगवान श्री कृष्ण देवकी की कोख से जन्म लेते हैं और जन्म के साथ ही चमत्कार होता है, देवकी वासुदेव की बेड़ियां टूट जाती है, जेल के दरवाजे खुल जाते हैं, वासुदेव बालक श्रीकृष्ण को एक टोकरी में छिपाकर यमुना के रास्ते से गोकुल में नंद बाबा के यहां पहुंचाते हैं, यमुना मां भगवान का चरण स्पर्श करना चाहती है भगवान छाबड़ी से अपने पैर नीचे डाल देते हैं, यमुना जी चरण स्पर्श करती है और वहां वासुदेव की राह आसान होती चली जाती है और वह पहुंचते हैं नंद बाबा के गांव, उधर नंद बाबा के घर एक कन्या ने जन्म लिया, वासुदेव नंद बाबा को श्रीकृष्ण को छोड़कर उस छाबड़ी में कन्या को लेकर मथुरा चले आते हैं, कंस को जब पता चलता है कि देवकी की आठवीं संतान गोकुल में है वह अपनी बहन पूतना को कृष्ण को मारने के लिए भेजता है, लेकिन कृष्ण तो कृष्ण है उन्होंने बाल रूप में पूतना का वध कर दिया ' इससे पूरे गोकुल में कन्हैया की जय जयकार होती है ' श्री कृष्ण लीला नृत्य नाटिका में उषा शर्मा, मीना श्रीवास्तव, विनोद छाबड़ा, अर्जुन सिंह राठौर, राहुल बेरवा, परिषद सिंह, लोचन हाडा,काजल चौहान, बबीता शर्मा, सत्येंद्र, कृतिका अग्रवाल, गौरव सोनी, लविश, कनिष्क, कनिष्का शर्मा, पार्थ शर्मा, वर्णिका, खुशी, आदित्य गढ़वी, दिव्य सक्षम, सुगना चौधरी, सुमन शर्मा,रेखा गोस्वामी, मोनिका जाट, कुलदीप शर्मा, इसपर शर्मा, सुरेंद्र कुमार, मोहित कुमार बेरवा, चित्रांश, विजय राजोरिया, नमन, अंकिता श्रीवास्तव, अनन्या जांगिड़ ने अपने सशक्त अभिनय से इस नृत्य नाटिका को ऐसा दशार्या कि लोग कृष्ण की बाल लीलाएं को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। श्री कृष्ण लीला का निर्देशन ममता पालीवाल एवं चित्रांश पालीवाल ने किया सांस्कृतिक संयोजक एनके पालीवाल ने बताया कि इसमें सहायक निर्देशक उमा शर्मा और सुगना चौधरी रही नृत्य संरचना अनन्या और आयुषी तवर की।' प्रकाश व्यवस्था राजेंद्र शर्मा राजू की, मेकअप असलम पठान, ध्वनि प्रभाव चित्रांश और पुनीत,वस्त्र विन्यास मोहित बेरवा, विजय राजोरिया और मोनिका जाट ने की।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

देश में सबसे कम मप्र की 38 .5% महिलाएं ही चलाती हैं स्मार्टफोन

जयपुर। महिलाओं द्वारा फोन इस्तेमाल करने के लिहाज से मध्यप्रदेश की स्थिति देश में सबसे खराब है। राज्यसभा में केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक भारत में 15 से 49 वर्ष की आयु के बीच 53.9% महिलाएं निजी फोन का उपयोग करती हैं। जबकि मध्यप्रदेश में यह आंकड़ा सिर्फ 38.5% है। इनमें से इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या और भी कम है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक देश में कुल 33.3% महिलाओं की ही पहुंच इंटरनेट तक है। इस अनुपात से मध्यप्रदेश के लिए यह आंकड़ा करीब 23% पर सिमट जाता है। कोविड महामारी के बाद पूरी तरह बदल चुके सूचना क्रांति के इस दौर में डिजिटल लिंगभेद से जुड़े ये आंकड़े महिलाओं के लिए तिहरे नुकसान की चेतावनी देते हैं, जो पहले से ग्रामीण-शहरी और आय आधारित डिजिटल विभाजन को झेल रही हैं। महिलाओं के सीमित वर्ग द्वारा ही मोबाइल का इस्तेमाल कर पाने के लिए राज्यों में कम साक्षरता दर, आर्थिक स्थिति और पितृसत्तात्मक सोच जिम्मेदार है। जिन प्रदेशों में महिलाओं को अपने फोन इस्तेमाल करने की छूट नहीं है, वे अपनी आधी आबादी की साक्षरता के लिहाज से भी पिछड़े हुए हैं।

महावीर स्कूल प्रांगण में 17 वां हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन आज, तैयारियां पूर्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन नॉदर्न रीजन व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के तत्वावधान में 17 वां हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन रविवार को साय 7.30 बजे सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर देश के ख्यातनाम कवि अपनी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक गुदगुदाएंगे। आयोजन की तैयारियां अंतिम पूर्ण कर ली गई है। कवि सम्मेलन के मुख्य समन्वयक सुभाष चंद जैन ने बताया कि कवि सम्मेलन का शुभारंभ सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाशचंद-कुसुम जैन दीप प्रज्जवलित कर करेंगे। इस मौके पर गौरवमयी अतिथि महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल-कुसुम संघी,मुख्य अतिथि प्रख्यात समाजसेवी सुनील-उषा पहाड़िया, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता राजस्थान हाईकोर्ट महेन्द्र-कुसुम शाह, मुकेश-दीपा मेटा क्राफट, युवा समाजसेवी अजय-माया कटारिया, सम्माननीय अतिथि जेएसजीआईएफ मुंबई के निवर्तमान अध्यक्ष कमल संचेती, जेएसजीआईएफ मुंबई के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन होंगे जबकि अध्यक्षता समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद करेंगे। जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के अध्यक्ष अमर जैन व सचिव राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में अलीगढ़ के हास्य कवि लटूरी लट्ठ, इटावा के वीर रस के कवि गौरव चैहान, मुगावली के हास्यकवि पंकज फनकार,चंदेरी से सौरभ भंयकर भीलवाड़ा के हास्य कवि दीपक पारीक,मुंबई से तबस्सुम राणा,इंदौर के हास्य कवि रोहित झन्नाट अपनी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। उन्होंने बताया कि इस कवि सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सुधीर गंगवाल, नरेश रांवका व नवीन जैन को समन्वयक बनाया है। आयोजन में काफी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

डा. मालती गुप्ता सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। डा. मालती गुप्ता, Honey Girl, राजस्थान प्रदेश की प्रथम M.ch.डिग्री प्राप्त प्लास्टिक सर्जन,एवं शहद में मानव त्वचा को सुरक्षित रखने की तकनीक पर शोध करने वाली विश्व की एकमात्र शख्सियत, को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज की प्लेटिनम जुबली समारोह के तहत आयोजित सम्मान समारोह में डिस्टिंग्विष्ट एल्मनस एवार्ड से मुख्यमंत्री, राजस्थान, अशोक गहलोत, द्वारा दिनांक 04 मार्च 2023 को सम्मानित किया गया। स्मरण रहे कि इससे पहले डा. मालती गुप्ता, पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी, को स. मा. सिंह मेडिकल कॉलेज की गोल्डनजुबली वर्ष 1997 में तथा कालेज के 70वर्ष पर आयोजित समारोह में भी डिस्टिंग्विष्ट ऐलुम्नस एवार्ड से नवाजा जा चुका है ।

सखियों के संग छाया होली का उल्लास, फूलों के संग बिखरे खुशियों के रंग, जैन कॉन्फ्रेंस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। होली के रंग छाए हुए थे और चेहरे खुशियों से सराबोर हो रहे थे। फूलों के संग खुशियों के रंग बिखरे तो सभी सखियों के चेहरे खिल उठे और जमकर नाच-गाने के साथ होली का उल्लास छाया रहा। ये नजारा शनिवार को सज्जन विलास कॉलोनी स्थित रिद्धी-सिद्धी निवास पर जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा, जैनम क्लब , वेव्स क्लब , रॉयल क्लब ,ग्रेट क्लब, सज्जन कॉलोनी आदि अनेक महिला संगठन ने फागोत्सव ह्यह्यमें फाग के रंग, सखियों के संगह्लह्ल आयोजन में भाग लिया । रजनी राजपूत के द्वारा विभिन्न भजन गाये गये रंग लेके खेलता गुलाल लेके खेलते राधा सैंग होली नंद लाल खेलते रंग मतडालो रे साँवरिया मारो गुजर मारे रेसंगठनों सदस्य सखियों ने फूलों से होली खेलने के साथ फाग कें गीत गाकर भी फागोत्सव का आनंद उठाया। सखियों ने फाग के गीतों पर उत्साह से नृत्य किया और गुलाल और फूलों से होली खेली गई। सखियों ने एक-दूसरों के चेहरों पर गुलाल मलते हुए फागोत्सव की बधाईयां भी दी। सखियों के समूह नृत्य ने फागोत्सव की खुशियों को बढ़ा दिया। सभी ने नाचते-झूमते इस आयोजन का आनंद उठाया और खुशियों के रंग हर तरफ खिल उठे। अंत में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राजस्थान शाखा की अध्यक्ष नीता बाबेल ने फागोत्सव के आयोजन को सफल बनाने मे लाड़जी मेहता राधा बनी और कृष्ण - कृष्णा लढ़ा , निर्मला बहेती बनी और साक्षी , निमिशा मोनिता वनिता , प्रीति पुष्पा गोखरू , स्नेहलता धारिवाल , मधु जाजू,मंजु पोखराना ,मधु मित्तल , नीतू चौरडिया, नेहा चौरड़िया, प्रतिमा बम्ब, शकुंतला बोहरा , शकुंतला खमेसरा ,सरिता नाबेड़ा नीतू ओसतवाल, शशि जैन,मंजू चपलोत आदि सभी सखियों ने फागोत्सव सहभागिता निभाते हुये आयोजन को सफल बनाया और कहां कि होली प्रेम का प्रति त्योहार है भागदौड़ भरी जीवन मे होली पर वैर भाव को भूलकर प्रेम और सुहाग से त्यौहार मनाएंगे तभी त्योहारों कि महत्वता और भाई चारे के साथ प्रेम बढ़ेगा।

उदगांव अहिंसा संस्कार पदयात्रा का आज 5 मार्च को रांची में भव्य मंगल प्रवेश

रांची. शाबाश इंडिया। अहिंसा संस्कार पदयात्रा जो लगातार 2004 से आसाम से चल रहा है जिसका भव्य प्रवेश झारखंड की राजधानी रांची में भव्य मंगल प्रवेश भारत गौरव साधना महोदधि सिंह निष्कड़ित व्रत कर्ता जैन संत अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज का कल दिनांक 5 मार्च 2023 को हो रहा है। जिसकी तैयारी समाज के द्वारा की जा रही है। शहर के रास्ते मे कई तोरण द्वार बनाये जा रहे है सभी अपने घरों में बेनर ओर रंगोली की तैयारी कर रहे है पूरे शहर को पंचरंगा झंडो से पाटा जा रहा है । इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पदम जैन छाबडा ने बताया कि 5 मार्च ओर 6 मार्च को अन्तर्मना 108 प्रसन्न सागर जी ससंघ,आचार्य श्री गुणधर नंदी जी महाराज, श्री 108 सुवेश सागर जी महाराज का मंगल मिलन रांची की धरती पर हो रहा है। समाज के सभी वर्गों में एक अलग उत्साह दिख रहा है। लोग कई दिनों से पैदल साथ चल रहे है। कई दिनों से अन्तर्मना आचार्य श्री के रांची शहर में आगमन को लेकर प्रयासरत थे रांची वाले के पुण्य उदय से गुरुदेव की स्वीकृति प्राप्त हुई ।स्वीकृति मिलने के बाद रांची वालों के खुशी का ठिकाना नहीं है।आज रामगढ की ओर से लगभग 20 किलोमीटर पद विहार करते हुवे रात्रि विश्राम शहर से दूर 5 किलोमीटर पहले महावीर भवन मे होगा जहाँ झारखंड वन वासी मण्डल के भाई बहनो द्वारा गुरु देव का पारम्परिक ओर आदिवासी तरीके से स्वागत वंदन और अभिन्दन किया गया ' इस अवसर पर अन्तर्मना ने सभी को बहुत बहुत आशीर्वाद दिया और कहा कि झारखंड के आदिवासी समाज का जैन साधु के प्रति गुरु भक्ति कूट कूट कर भरा हुआ है सभी का जैन मुनियों के प्रति श्रद्धा और भक्ति अपरंपार है । सुबह होगा अंतर्मना संघ का रांची मे भव्य प्रवेश । **अन्तर्मना मीडिया प्रभारी कोडरमा जैन राज कुमार अजमेरा**

वेद ज्ञान

दान के सही रूप को समझें...

गतिशीलता चराचर जगत की मूल प्रवृत्ति है। लेन-देन इसी की अभिव्यक्ति है। धन-संपत्ति की प्रचुरता से अभाव की ओर प्रवाह प्रगति का संकेत है और प्राकृतिक विधान की अनुपालना है। प्राचीन ग्रंथों में संग्रह को हेय मानते हुए इससे बचने की अनुशंसा की गई है। दान धार्मिक कार्य है, सभी पंथों में इसका गुणगान है। ब्रिटेन के चर्चित प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था, हमें जो मिलता है, उससे हमारी आजीविका चलती है, किंतु हमारे जीवन की सार्थकता उससे तय होती है, जो हम देते हैं। दाता का दर्जा लेने वाले से ऊपर है। दान के सही पात्र यानी निर्धन, अशक्त, परित्यक्त, विधवा, बीमार आदि को पैसे से मदद देना, पानी, खाना, कपड़ा और आश्रय देने की परंपरा सभी समुदायों में है। दधीचि मुनि ने लोकहित में अपनी अस्थियां तक दे डालीं। राजा विक्रमादित्य दीन-दुखियों को सहज ही बहुमूल्य चीजें दे देते थे। इस्लाम में भी अपनी आय का कुछ प्रतिशत भाग दान के निमित्त देने का प्रावधान है।ईसाई अपने धनार्जन का एक अंश धर्मार्थ खर्च करते हैं। अनावश्यक संग्रह और अन्यों के अधिकार के हनन का हिसाब प्रभु के दरबार में देना होगा। वैसे भी धन और बहुमूल्य चीजों की भरमार से इसकी सुरक्षा सताएगी और आप जीवन के महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित नहीं कर सकेंगे। अनुचित आदतें भी पाल सकते हैं।इसे चोर ले जाएंगे या बच्चों की कुदृष्टि पड़ेगी तो वे उचित मार्ग से भटक सकते हैं। दया या कृपा का स्वरूप देना फलदायक नहीं होता। उत्कृष्ट दान में प्रतिफल की आशा तो दूर दाता को याद ही नहीं रखना चाहिए। आज के मुखौटाप्रिय समाज में दान के सही पात्रों की पहचान दुष्कर है। कई दाता अनाथालय, वृद्धाश्रम, धार्मिक संस्थाएं जैसे औपचारिक संगठनों के जरिये दान देते हैं, हालांकि इनमें से कुछ की निष्ठाएं संदेहास्पद हैं। इसीलिए कुछ विचारक दान को जरूरतमंदों के परम हित में नहीं मानते। ऑस्कर वाइल्ड ने कहा था, 'दान की प्रक्रिया भावुक व्यक्ति द्वारा जरूरतमंद को राहत पहुंचाने की आधी-अधूरी भरपाई का हास्यास्पद प्रयास है, जिससे गरीबी अंततः और बढ़ जाती है।'

संपादकीय

पूर्वोत्तर में खिले कमल के हैं अनेक मायने

यह शायद पहली बार है कि पूर्वोत्तर राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर पूरे देश में दिलचस्पी देखी जा रही है। हालांकि इन राज्यों में छोटी विधानसभाएं हैं और वहां चुनाव में आमतौर पर लोग पार्टियों को नहीं, उम्मीदवारों के चेहरे पर मतदान करते रहे हैं। मगर इस बार पार्टियों के आधार पर वहां जीत-हार का आकलन किया जा रहा है और वहां के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय- के चुनाव नतीजों के आधार पर इस साल होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों और फिर अगले साल होने वाले आम चुनाव की तस्वीर खींचने का प्रयास किया जा रहा है। त्रिपुरा और नगालैंड में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति है। हालांकि त्रिपुरा में भाजपा ने प्रस्ताव रखा है कि अगर टिपरा मोथा उसका समर्थन करती है, तो सरकार बनने के बाद वह उसकी सारी मांगें मान ली जाएंगी। मगर यह अभी चुनाव नतीजों के बाद की स्थितियों पर निर्भर करेगा। पूर्वोत्तर राज्यों की राजनीति दूसरे राज्यों की अपेक्षा थोड़ी भिन्न होती है। वहां कई स्थानीय मुद्दे जटिल हैं, जिनके आधार पर दलों का आपसी गठजोड़ तय होता है। हालांकि हर चुनाव सीटों का खेल होता है। जिसके पास सरकार बनाने लायक उम्मीदवार जीत जाते हैं, सरकार उसी की बनती है। मगर पार्टियों की स्थिति का आकलन तो उन्हें मिले मतों के आधार पर होता ही है। इस दृष्टि से बेशक भाजपा गठबंधन को त्रिपुरा और नगालैंड में विजय मिली है, मगर आंकड़ों के मुताबिक उसे पहले की तुलना में कम सीटें मिली हैं और मत फीसद भी गिरा है। पर इस दृष्टि से कांग्रेस की स्थिति भी बेहतर नहीं कही जा सकती, बेशक उसके मत फीसद में कुछ बढ़ोतरी दर्ज हुई है। कयास लगाए जा रहे थे कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का वहां के चुनावों पर असर पड़ेगा और कांग्रेस को उसका लाभ मिलेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। वहां वाम दलों की पकड़ मजबूत हुआ करती थी और करीब पच्चीस साल तक सत्ता में रहे, मगर वे भी अपनी जमीन वापस लेने में कामयाब नहीं हो पाए, तो इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की बहुत पुरानी शिकायत रही है कि उनकी तरफ केंद्र की सरकारें ध्यान नहीं देतीं। उनके राज्यों में विकास परियोजनाओं की रूपरेखा नहीं बनाई जाती। उनके सीमा और पहचान संबंधी विवादों के निपटारे की गंभीरता से कोशिश नहीं की जाती। इस लिहाज से भाजपा ने पूर्वोत्तर पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया। राज्यों के बीच सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने का प्रयास किया गया। इसके नतीजे प्रकट रूप में दिखने भी लगे हैं। इसका असर स्वाभाविक रूप से वहां के लोगों के मन पर पड़ा है। जबकि इन राज्यों के लोगों की वैचारिक पृष्ठभूमि भाजपा के सिद्धांतों से सीधे-सीधे मेल नहीं खाती, मगर विकास का मुद्दा उन्हें उससे जोड़ता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पारदर्शी चुनाव

लोकतंत्र में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में, इससे संबंधित कानून बनने तक, एक तदर्थ व्यवस्था दी है। इस व्यवस्था का स्वाभाविक ही स्वागत किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश और विपक्ष या लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता की सलाह से राष्ट्रपति द्वारा किया जाए। अभी तक इनकी नियुक्ति सरकार की पसंद से ही की जाती रही है। दरअसल, संविधान में चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर कोई प्रक्रिया नहीं सुझाई गई है। इस तरह सरकार ही अपनी पसंद के नाम इस पद के लिए सुझाती रही है, जिस पर राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाती रही है। मगर पिछले कुछ सालों से चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। मांग की जा रही थी कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए भी कालेजियम जैसी कोई व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। करीब पांच साल पहले कई याचिकाएं दायर की गई थीं। उन पर विचार करने के बाद सर्वोच्च न्यायालय की पांच सदस्यों की संविधान पीठ ने एकमत से स्वीकार किया कि इस मामले में कानून बनाया जाना चाहिए। जब तक कानून नहीं बन जाता, तब तक संविधान पीठ द्वारा तय प्रक्रिया का पालन किया जाए। लोकतंत्र में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसे सुनिश्चित कराना निर्वाचन आयोग का दायित्व है। मगर अनेक मौकों पर आरोप लगते रहे हैं कि निर्वाचन आयोग पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाता और कार्रवाई करता है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर ऐसे व्यक्ति को बिठाने की मांग की जाती रही है, जो खुद निष्पक्ष हो। चुनाव आयुक्त के कामकाज पर अंगुलियां इसलिए भी उठती रही हैं कि उनकी नियुक्ति चूंकि सरकार की इच्छा से होती है, इसलिए माना जाता है कि उनका झुकाव सरकार के प्रति होता है। हालांकि कई ऐसे मौके भी देखे गए हैं, जब कुछ मुख्य चुनाव आयुक्तों ने सरकार के विरुद्ध कड़ा रुख अख्तियार किया। मगर इस बार विवाद इसलिए गहरा हो गया कि वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में जिस तरह सरकार ने हड़बड़ी दिखाई और नियुक्ति संबंधी जरूरी प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया, वह हैरान करने वाला था। उन्होंने रातोंरात अपने पद से इस्तीफा दिया और चौबीस घंटे के भीतर उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इस पर स्वाभाविक ही आपत्तियां दर्ज कराई गईं। तब सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से पूछा था कि उसे ऐसी क्या हड़बड़ी थी कि बिजली की रफ्तार से यह नियुक्ति करनी पड़ी। अभी सर्वोच्च न्यायालय ने जो व्यवस्था दी है, उसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सरकार के लिए अपनी पसंद थोपना आसान नहीं होगा। इसमें विपक्ष या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता और प्रधान न्यायाधीश की भागीदारी होने से सरकार भी ऐसे नामों का चुनाव करने से बचेगी। फिर, अभी तक जिन नियुक्तियों में विपक्ष के नेता की मौजूदगी अनिवार्य होती है। पर सरकार इस तर्क के आधार पर विपक्ष को उनमें शरीक नहीं करती रही है कि संवैधानिक नियमों के तहत किसी भी ऐसे दल के पास पर्याप्त संख्या न होने की वजह से विपक्ष का कोई नेता नहीं है, वह तर्क भी इसमें काम नहीं आने वाला।

मेरे भारत की मांटी है चंदन और अवीर: सोम ठाकुर

सिद्धचक्र विधान के छठवें दिन 512 अर्घ समर्पित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के पावन मंच जैन बगीची में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सभी कवियों ने गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के श्री चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्रेष्ठ गीतकार सोम ठाकुर की अध्यक्षता एवं आगरा से पधारे वीर रस के कवि दीपक दिव्यांशु के संचालन में सभी कवियों ने काव्य पाठ किया। कवि सम्मेलन के प्रारम्भ में नन्हीं नन्हीं बालिकाओं ने मंगलाचरण स्वरूप नृत्य पेश किया। आये हुए अथितियों द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। आयोजन समिति की ओर से सभी कवियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम सुश्री राणा जेवा ने माँ सरस्वती की बन्दना की । श्री गुढ़ाजी (राज.) के नमोकार जैन नमन ने जैन दर्शन पर सुंदर काव्य पाठ किया । आपने श्री सम्मेद शिखर जी प्रकरण पर काव्य पाठ करते हुए कहा-

हम उन्मादी नहीं मगर हम धर्मो के रखवाले हैं !
अभिनन्दन से वीर देश पर मरने मिटने वाले हैं !!
सरकारें अब भ्रम न पालें हमें झुका न पाएंगी !
सारी दुनिया देख चुकी हम कितने हिम्मत बाले है ।।

वीर रस के कवि राजवीर सिंह क्रांति ने मां के दूध पर देशभक्ति का संदेश देते हुए कहा कि तुम्हारे प्यार का ऋण मां कभी भी चुक नहीं सकता ।

बढ़ाया जो कदम कदम वो रुक नहीं सकता ।
शहीदे सैनिकों की वे कसम हुंकार कर बोला ।
पिया है दूध जो तेरा तिरंगा झुक नहीं सकता ।।

कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए आगरा के दीपक दिव्यांशु ने कहा

हथेली पर वतन के वास्ते हम जान रखते हैं ।
लवों पर गीत बन्दे मातरम का गान रखते हैं ।।
रंगों में खोलता सा रक्त शब्दों में भी अंगारे ।
ह्रदय को चीर कर देखो तो हिंदुस्तान रखते हैं ।।

ग्वालियर के गीतकार रविन्द्र रवि ने बुजुर्गों के सम्मान को गम्भीरता से लेते हुए कहा

तू कलियों और फूलों की अदाएं साथ में रखना ।
जो देखे दूर तक ऐसी निगाहें साथ में रखना ।।
सफर कैसा भी हो पूछेगी खुद मंजिल पता तेरा ।
तू बस अपने बुजुर्गों की दुआएं साथ में रखना ।।

हास्य व्यंग्य के कवि अनिल बेधड़क ने कहा

मैं नहीं कहता किसी के थान को पूजो ।
मैं नहीं कहता पत्थर या श्मशान को पूजो ।।
पूजना चाहते हो मुक्ति के लिए आजन्म ।
मुक्ति के दाता भगवान महावीर को पूजो ।।

इसके साथ ही राणा जेवा, पुष्पराज जैन ने भी काव्य पाठ किया । अंत में कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय मंच के फनकार गीतकार सोम ठाकुर ने गीत पढ़ते हुए कहा

मेरे भारत की माटी है चंदन और अवीर ।
सौ सौ नमन करूँ मैं भैया सौ सौ नमन करूँ ।
उत्तर अमरनाथ बसे दक्षिण रामेश्वर मन मोहें ।

विश्व भारती स्कूल जेरठी में वार्षिकोत्सव व विधार्थी सम्मान समारोह आयोजित

सीकर. शाबाश इंडिया। जिले के जेरठी सुभाष नगर में विश्व भारती सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सबसे पहले मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिसमें स्कूली बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। छोटे छोटे बच्चों द्वारा भी बहुत सुंदर नृत्य किया गया। स्कूल निदेशक हरिराम जी मील ने बताया कि जिन विधार्थियों ने शाला में अच्छे अंक प्राप्त किए उनको शानदार ईनाम तथा साफा व माला पहनाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक व स्कूल स्टाफ तथा विधार्थी शामिल रहे। सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी कि गई थी। आये हुए अतिथियों का प्राचार्य श्रीराम मील ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विकास भाटी ने किया।

जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल, जयपुर
द्वारा आयोजित

17वाँ हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

5 मार्च, 2023 | सांय 6.30 बजे
स्थान: महावीर स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर

.. समारोह के अतिथिगण..

दीप प्रज्वलनकर्त्ता
श्री प्रकाशचन्द जी श्रीमती कुसुम जी जैन
वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट

मुख्य अतिथि
श्री सुनील जी- श्रीमती उषा जी पहाड़िया
प्रख्यात समाजसेवी

अध्यक्षता
श्री राजीव जी-श्रीमती सीमा जी जैन, गाजियाबाद
प्रख्यात मुनिभक्त एवं समाजसेवी

गौरवमयी अतिथि
श्री उमरावमल जी श्रीमती कुसुम जी संघी
अध्यक्ष, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि
श्री महेन्द्र जी -श्रीमती कुसुम जी शाह
वरिष्ठ अधिवक्ता, राजस्थान हाईकोर्ट

विशिष्ट अतिथि
श्री अजय जी - श्रीमती माया जी कटारिया
युवा समाजसेवी

विशिष्ट अतिथि
श्री मुकेश जी- श्रीमती दीपा जी
मेटा काफ्ट, जयपुर

सम्माननीय अतिथि
श्री कमल जी संचेती
निवर्तमान अध्यक्ष जेएसजी आईएफ, मुम्बई
श्री राकेश जी जैन
पूर्व अध्यक्ष,जेएसजी आईएफ, मुम्बई

आंमत्रित कविगण...

- लटूरी लट्ठ (हास्य)-अलीगढ़
- गौरव चौहान (वीररस)-इटावा
- पंकज फनकार (हास्य)-मुंगावली
- सौरभ भयंकर -चंदेरी
- दीपक पारीक (हास्य)-भीलवाड़ा
- तबस्सुम राणा (श्रृंगार)-मुंबई
- रोहित झन्नाट (हास्य)-इंदौर

आप सादर आंमत्रित है।

सुभाष चन्द जैन
मुख्य समन्वयक

सुधीर गंगवाल, नरेश संचेती, नवीन जैन
समन्वयक

दर्शन जैन, सुरेश ठोलिया, विनोद सोगानी
परामर्शक

संयोजक
विरेन्द्र काला, लोकेश जैन
प्रमोद जैन, राजकुमार बड़जात्या
डॉ. मनीष जैन

जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट फैडरेशन, नार्दन रीजन

राजेन्द्र डाबरिया चेयरमेन	महेन्द्र गिरधरवाल निवर्तमान चेयरमेन
महेन्द्र सिंघवी इलेक्ट चेयरमेन	अजय जैन सचिव

एवं
समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण जेएसजी नार्दन रीजन

जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल, जयपुर

अमर जैन अध्यक्ष	सुभाष चन्द जैन संस्थापक अध्यक्ष	राजेन्द्र जैन सचिव
नवीन जैन निवर्तमान अध्यक्ष	सुधीर गंगवाल नामांकित पूर्व अध्यक्ष	नरेश संचेती नामांकित पूर्व अध्यक्ष
सुनील चौधरी उपाध्यक्ष	सुधीर गोधा संयुक्त सचिव	महेश सोगानी कोषाध्यक्ष

अनिल संचेती, केशव गोदीका, लोकेश जैन, प्रमोद जैन, राजकुमार बड़जात्या, राजकुमार काला, शान्ति पाटनी, विनय सोगानी, विरेन्द्र काला, विनोद जैन,दीपक काला, डॉ. मनीष जैन
कार्यकारिणी सदस्यगण

आचार्य प्रमुख सागर जी ससघं का धुलियान पश्चिम बंगाल में हुआ मंगल प्रवेश

धुलियान मुर्शिदाबाद. शाबाश इंडिया

पश्चिम बंगाल ।सौभाग्यवश शाश्वत सिद्ध भूमि श्री सम्मेद शिखर से मंगल विहार करते हुए अहिंसा तीर्थ प्रणेता पः पुः आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज बालयति सघं का पाकुड़ झारखंड होते हुए धुलियान पश्चिम बंगाल में 04 मार्च शनिवार सुबह 8.30 बजे हर्षोल्लास के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जिसमें मुर्शिदाबाद जिला के व पाकुड़ समाज के श्रद्धालु उपस्थित थे` ज्ञात हो कि मुर्शिदाबाद जिला के सभी गाँव अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की प्रेरणा से सन 2002 से एक सूत्र में जुड़े हुए है, जो एकता की एक नजीर है।जिला में रात्रि विवाह व मृतक भोज व भेंट वर्जित है तथा सन्तो का आवागमन की रुप रेखा जिला कमेटी निर्णय लेती है चतुर्वीध सघं के आगमन से जिले मे आनन्द का माहौल है, सभी गाँव में धर्म प्रभावना कर आचार्य श्री संघ का लक्ष्य कोलकाता की और है। **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

एक दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बीलवा, टोंक रोड, जयपुर में चारित्र चक्रवर्ती, निमित्त ज्ञान शिरोमणि, समाधि सम्राट, वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य गुरुवर श्री 108 विमल सागर जी महाराज की सुशिष्या परम पूज्य आर्यिका श्री 105 नंग मति माताजी के सानिध्य में एक दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है । कार्यक्रम निम्न प्रकार हैः- दिनांकः 6/3/2023, सोमवार श्रीजी का अभिषेक : प्रातः 7:00 - 8:00 तक, श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान : 8:00 बजे से, विधान के पश्चात सभी के लिए वात्सल्य भोजन की व्यवस्था की गई है। आप सभी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें। **विधान में बैठने और अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें- विकास जैन 9828479780**

सिद्धचक्र महामंडल विधान के अंतर्गत छठे दिन कर्मों के दहन हेतु किये 256 अर्घ्य श्रीफल समर्पित

फतेहपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शांतिनाथ जैन मंदिर के तत्वावधान में चल रहे अष्टानिक महा पर्व के छठे दिन चौबीस मण्डलीय ''**श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान**'' में शनिवार को विधानाचार्य पंडित प्रदीप शास्त्री के सानिध्य में दो सौ छप्पन अर्घ्य चढ़ाएं गए । संयोजक सुरेश गोधा ने बताया कि सिद्धचक्र महामंडल विधान विधानाचार्य प्रदीप जैन शास्त्री के मंत्रोच्चारण के साथ इंद्रों ने प्रभु का ध्यान लगाकर भगवान जिनेंद्र देव के ऊपर जलधार व जयकारों के साथ अभिषेक किया। बृहद शांतिधारा विनोद कुमार रतन लाल लिहला परिवार को करने का सौभाग्य मिला। सह प्रतिष्ठाचार्य निशात शास्त्री ने बताया कि ज्ञानावरण के पांच भेद , दर्शनावरण के नौ भेद, वेदनीय कर्म के दो भेद, मोहनीय के अठाइस भेद, आयु कर्म चार भेद, नाम कर्म के तिरानवे भेद गोत्र कर्म के दो भेद अंतराय कर्म के पांच भेद सहित इन समस्त कर्मों नष्ट करने के लिए 256 अर्घ श्रीफल समर्पित किये गए और परिणामों की अपेक्षा कर्मों के 256 भेदो के माध्यम से अर्घ समर्पित किये गए। विधानाचार्य पंडित प्रदीप शास्त्री ने कहा पाप और पुण्य किसी भी जन्म में मनुष्य का पीछा नहीं छोड़ते हैं ।यह सब अपने अपने कर्मों का पाप पुण्य का फल है, जिसने जैसा बोया, उसको वैसा ही काटना पड़ेगा। इसीलिए हमेशा अच्छे सद्कर्म करो, धर्म करो, पाप कर्म से बचो। विवेक पाटोदी ने बताया कि सांयकाल श्रीजी की संगीतमयी भव्य आरती की गई, जिसका सौभाग्य फतेहपुर से जुड़ी सभी बेटियों को मिला ।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भरत बाहुबली नाटिका का मंचन किया गया ।जिसमें भरत चक्रवर्ती संपत - सुनीता छाबड़ा थे । शुक्रवार को हुए नाटिका मंचन की कथानुसार जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ के दो पुत्र हुए भरत और बाहुबली। भरत के नाम पर ही इस देश का नाम भारत रखा गया था। चक्रवर्ती सम्राट भरत के पिता ऋषभदेव थे और उनके 100 भाइयों में से प्रमुख का नाम 'बाहुबली' था। ऋषभदेव द्वारा राजपाट त्यागकर केवकज्ञान की प्राप्ति हेतु वन चले जाने के बाद राज्याधिकार के लिए बाहुबली और भरत में युद्ध हुआ। बाहुबली ने युद्ध में चक्रवर्ती भरत को परास्त कर दिया। लेकिन इस घटना के बाद उनके मन में भी विरक्ति भाव जाग्रत हुआ और उन्होंने भरत को राजपाट ले लेने को कहा, तब वे खुद घोर तपश्चरण में लीन हो गए। तपस्या के पश्चात उनको केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। भरत ने बाहुबली के सम्मान में पोदनपुर में 525 धनुष की बाहुबली की मूर्ति प्रतिष्ठित की। प्रथम सबसे विशाल प्रतिमा का यह उल्लेख है।

तेरापंथ युवक परिषद का हास्य-कवि सम्मेलन 5 मार्च को

सुबोध पब्लिक स्कूल में सायं 7.30 बजे से होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। तेरापंथ युवक परिषद का हास्य कवि सम्मेलन 5 मार्च कोसुबोध पब्लिक स्कूल मे साय 7.30 बजे से होगा । कवि सम्मेलन मे प्रसिद्ध कवि सुरेंद्र यादवेन्द्र, ममता शर्मा, पार्थ नवीन तथा हरिश हिन्दुस्थानी अपनी रचनाओ से श्रोताओ को हास्य के रंग मे लपेटेंगे।

राष्ट्रीय एकता शिविर में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर, राजस्थान के द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में 27 फरवरी 2023 से 5 मार्च 2023 तक किया जा रहा है। श्री एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर ने बताया कि शिविर के मुख्य अतिथि श्री स्वामी सुमेधानंद सरस्वती जी (लोकसभा सदस्य) सीकर थे। उन्होंने बताया कि शिविर में 13 प्रदेशों के 100 स्वयंसेवक और 100 सेविकाओं तथा 10 टीम लीडर ने भाग लिया। उन्होंने बताया इस शिविर में पधारे सभी स्वयंसेवकों द्वारा भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा इस शिविर के माध्यम से युवाओं को अपने अपने क्षेत्र के सांस्कृतिक नृत्य, आचार विचारों को प्रदान करने का सुअवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रभात फेरी, योगा, खेल, बौद्धिक क्षमता, श्रमदान, रंगोली, अकादमिक सत्र का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री स्वामी सुमेधानंद जी ने बताया कि ऐसे शिविरों में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि आज एक साथ एक लघु भारत देखने को मिल रहा है। युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों से पधारे सभी प्रतिभागियों को अपने आचार विचार को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्र को सशक्त करने में अपनी भूमिका निभाए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विश्व जॉय चटर्जी जी ने कहा कि इस शिविर में पधारे सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि सभी स्वयंसेवक राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री प्रदीप कुमार जी ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना की जो भावना है मैं नहीं आप, उस पर युवाओं को चलना चाहिए। उन्हें स्वयं से पहले दूसरे का ध्यान रखना चाहिए। शिविर में श्रवणराम कटारिया, युवा अधिकारी, कमल किशोर मक्कड़, युवा अधिकारी डॉ दिप्तो मुखर्जी, के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों से डॉ विशाल गौतम, राजस्थान, डॉ रेशमा सुल्ताना, पटना, डॉ सत्यम केसरी, लखनऊ, डॉ वैशाली पुणे, डॉ आर,सुभाश्री, चेन्नई, डॉ अजय श्रीवास्तव, भोपाल, डॉ वैशाली, महाराष्ट्र, डॉ हेमंत शर्मा, असम, डॉ राकेश कुमार, दिल्ली, डॉ कैलाश, गुजरात।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है हमारे प्रिय

श्री धर्म चन्द काला

पुत्र स्व. श्री पांचू लाल जी काला (चंदलाई वाले) का आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। तीये की बैठक 05.03.23 प्रात: 09:30 बजे दुर्गापुरा जैन मंदिर पर होगी।

शोकाकुल :- विमला (धर्मपत्नी), अरविंद- संगीता (पुत्र- पुत्रवधू), कॉन्ट्रेक्टर नगर निगम, युग (पौत्र), सीमा- विनय, सुनीता- राजीव (पुत्री- दामाद), आरुषि, रक्षिता (पौत्री), निधि, निकिता, महिमा, तनिषा (दोहिती), चांददेवी, विमला- लालचंद, ललिता देवी (बहिन- बहनोई), ताराचन्द, सरदारमल, कैलाश, नेमी कुमार, राकेश, भागचंद, अशोक, सतीश, सुखानंद, तेज, वीरेंद्र, टीकम, मनोज, राहुल समस्त काला परिवार चंदलाई वाले ससुराल पक्ष : प्रेमचंद, बाबूलाल, ज्ञानचंद बाकलीवाल पचाला वाले।

वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमल सागर जी मुनिराज का 70वां दीक्षा जयन्ति पर्व आज

सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा के 7 विलय के 512 अर्घ अर्पण किए

जयपुर.शाबाश इंडिया। उपाध्याय श्री उर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य में चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंम्बर जैन मंदिर, पारस विहार, में अष्टान्हिका महापर्व के छट्ठे दिन आज प्रातः अभिषेक, शान्ति धारा के पुण्यार्जक: सुभाष - सुनिला पाटनी, उषा चांदवाड़ सुलोचना, गौरव-पूजा, सम्यक, यशिता पाटनी लक्ष्मी निकुंज, मोहनपुरा, मुहाना मंड़ी। नरेश - सुमन, धर्मेश-पुजा अजमेरा, गुलाब बिहार,मुहाना परिवार द्वारा की गई।महामण्ड़ल विधान के मुख्य संयोजक पवन कुमार गोदीका ने बताया कि सिद्धो की महाअराधना महापर्व के छट्ठे दिन सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा के 7 विलय के 512 अर्घ पूजा में बेठने वाले लगभग 45 इन्द्र-इन्द्रानियो से पंडित सुरेन्द्र जी सलूम्बर वालो ने अपने मुखारविंद से बोल कर अर्घ चढ़वाये।"वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमल सागर जी मुनिराज का 70वां दीक्षा जयन्ति पर्व "रविवार दिनांक 5 मार्च 2023(फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी) श्री श्री 1008 चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना मंड़ी,जयपुर।पावन सानिध्य पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज क्रार्यक्रम:- **"मध्याह्न 2 बजे से विनयाञ्जली सभा, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन,पूजन अष्ट द्रव्य, विद्वत उदबोधन।"**

नवभारत मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा NEP 2020 पर पुस्तक का विमोचन

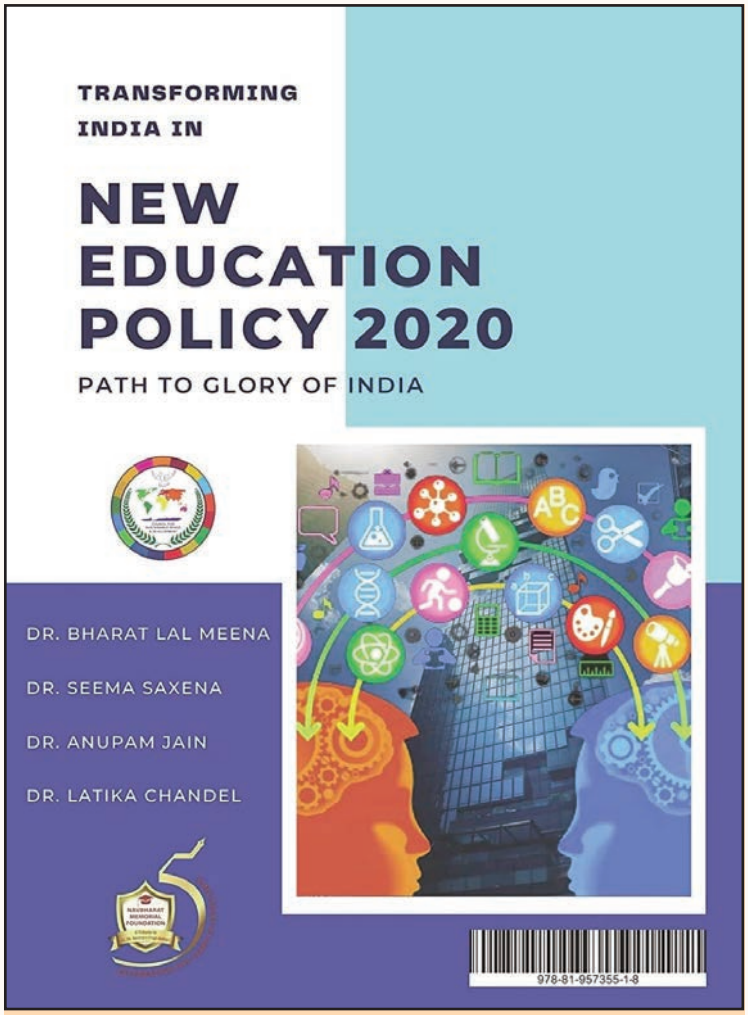

जयपुर.शाबाश इंडिया। दिनाक 3 मार्च 23 को एस एस जैन सुबोध महाविद्यालय में आयोजित सु - स्पर्धा 2023 के उद्घाटन सत्र में नवभारत मेमोरियल फाउंडेशन जयपुर द्वारा जारी की गई पुस्तक National Education Policy 2020 path to glory of India का विमोचन प्रो आर एल गोदारा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया ।विमोचन कार्यक्रम में डा अल्पना सक्सेना, डॉ नीलकमल पुरोहित, डा सुरेन्द्र कोठारी, डॉ भारत पारीक उपस्थित हुए। पुस्तक के लेखकों में डा भरत लाल मीणा,डॉ सीमा सक्सेना, डॉ अनुपम जैन डॉक्टर लतिका चंदेल रहे।

एकादशी पर 13 लाख से ज्यादा भक्त खाटू आए

जयपुर. कासं। खाटूश्याम के लक्खी मेले में एकादशी पर लाखों भक्त दर्शन करने पहुंचे हैं। 85 दिन तक मंदिर बंद रहने के बाद इस बार मेले में काफी भीड़ है। एकादशी पर अभी तक करीब 13 लाख श्रद्धालु श्याम बाबा के दर्शन कर चुके हैं। भीड़ को देखते हुए गुरुवार रात से 14 लाइन को भी खोल दिया गया था। सभी 14 लाइन भक्तों से भरी हुई हैं। इससे पहले शुक्रवार दोपहर 12 बजे बाबा नगर भ्रमण के लिए निकले थे। शाम पौने 7 बजे संध्या आरती हुई। बाबा का फाल्गुन मेला 22 फरवरी से भरा जा रहा है। मेले में करीब 30 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। एकादशी पर मुख्य मेला होता है। राजस्थान और दूसरे राज्यों से भी भक्त बड़ी संख्या में दर्शन करने आए हैं। आज बाबा ने दिन में सजे-धजे रथ में विराजमान होकर करीब 2 घंटे तक पूरा नगर भ्रमण भी किया था। जिसके बाद वापस मंदिर आए थे। इस दौरान भक्तों ने जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया।

सिद्धों की अराधना का पांचवां दिन: परमेष्ठिओं के 300 अर्घ्य समर्पित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर महारानी फार्म ,गायत्री नगर में 3 मार्च को प्रातः 7:30 बजे से आयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान के अवसर पर सिद्धों की आराधना के पांचवें दिन परमेष्ठी अरिहंत, सिद्ध व आचार्यों के गुणों से संबंधित 300 अर्घ्य समर्पित किए। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा ने अवगत कराया कि मूलनायक बेदी पर श्री जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा मुकेश पांडया व संतोष गंगवाल ने किये। तत्पश्चात सिद्धचक्र महामंडल पंडाल में अभिषेक शांतिधारा सोधर्म इद्र उदयभान जैन, चक्रवर्ती राजेश गोधा, सतार इंद्र कैलाश छाबड़ा, आणत इन्द्र पदम पांड्या, प्राणत इंद्र बसंत बाकलीवाल व सभी इंद्रों ने अभिषेक व शांति धारा की। राजेश बोहरा मंत्री मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार सिद्धचक्र महामंडल विधान में प्रदुम्न शास्त्री जी के निर्देशन में, संगीतकार अविनाश एवं समाज सेविका सुनंदा अजमेरा की मधुर आवाज में 300 अर्घ्य सोधर्म इद्र- इंद्राणी उदयभान जैन- अनिता बड़जात्या, कुबेर इन्द्र मुकेश - संगीता सोगानी, महायज्ञ नायक अनिल अमिता गोधा, चक्रवर्ती प्रदीप संगीता बाकलीवाल, द्रव्य पुण्यार्जक परिवार पन्नालाल सोनी, मूलचंद छाबडा, निर्मल रश्मि तोतूका, दीपक बिलाला, राकेश पाटोदी अशोक बिलाला, अशोक विमला, विमल विला वाले, प्रकाश बड़जात्या, सारसमल झांझरी, धूपचंद शाह, माणकचंद शाह, निर्मल सोगानी, सुनील सोगानी, सुनील रावका आदि इंद्रों ने भक्ति के साथ मंडप पर अर्घ्य समर्पित किये। मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने अवगत कराया चक्रवर्ती राजेश संगीता गोधा ने यंत्र पर अभिषेक व जल समर्पित किया। सांय महा आरती के पश्चात प्रवचन हुआ, प्रदुमन शास्त्री जी ने परमेष्ठीयों के गुणों का विस्तृत रूप से विवेचन किया, प्रशन मंच हुआ प्रश्न मंच के पुण्यार्जक सुशीला काला परिवार थे।

श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में अष्टानिका महापर्व में श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में अष्टानिका महापर्व में श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान संस्कृत में बड़े धूमधाम से आयोजित हो रहा है। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि आज 256 अर्घ सिद्धों को चढ़ाए गए। कल 512 अर्घ चढ़ाए जायेंगे। समिति के मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी ने बताया कि दिनांक 5 मार्च आरती के बाद 7बजे विशाल कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है इसमें कवि चंद्रसेन और कवि सरल कवि अनेकांत कवि अभिषेक कवित्री मधु अपनी कविताओं से आपका भक्तिमय मनोरंजन करेंगे।

5 मार्च 2023, रविवार को सांय 7 बजे से